



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

CK  
11/8/85

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं० 101] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 8, 1985/फाल्गुन 17, 1906  
No. 101] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 8, 1985/PHALGUNA 17, 1906

---

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

---

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1985

अधिसूचना

सा. का. नि. 143(अ):—राष्ट्रपति की निम्नलिखित उद्घोषणा साधारण  
जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :

उद्घोषणा

भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए, मैं, जैल सिंह, भारत का राष्ट्रपति, मित्रिकम राज्य के सम्बन्ध में

25 मई, 1984 की उक्त अनुच्छेद के अधीन की गई उद्घोषणा को एनद्द्वारा प्रतिसहृत करता हूँ ।

पणजी,  
दिनांक 8 मार्च, 1985.

ज़ैल सिंह,  
राष्ट्रपति

नई दिल्ली,  
दिनांक 8 मार्च, 1985.

[सं. वी-11013/1/85-सी.एस.आर.]  
आर. डी. प्रधान, गृह सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 8th March, 1985

### NOTIFICATION

G.S.R. 143 (E).—The following Proclamation by the President is published for general information :

### PROCLAMATION

In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 356 of the Constitution of India, I, Zail Singh, President of India, hereby revoke the Proclamation made under the said article on the 25th May, 1984 in relation to the State of Sikkim.

Panaji,  
The 8th March, 1985.

ZAIL SINGH, President

NEW DEHI,  
The 8th March, 1985.

[No. V-11013/1/85-CSR]  
R. D. PRADHAN, Home Secy.